न्यूज ब्रीफ

गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट के एक कॉटेज में आग, पर्यटक सुरक्षित

भानपुरा| गांधी सागर फॉरेस्ट रिट्रीट के एक कॉटेज में शनिवार सुबह 7 बजे आग लग गई। कॉटेज में ठहरे पर्यटकों को समय रहते बाहर निकाल लिया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कॉटेज में लगे पंखे में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी, जिसे समय रहते बुझा लिया गया। पुलिस के अनुसार घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। वहीं, फॉरेस्ट रिट्रीट के मैनेजर प्रशांत श्रीवास्तव का कहना है कि कॉटेज में नहीं, कचरे के लिए बनाए कॉटेजनुमा स्ट्रक्चर में आग लगी थी, जिसे तुरंत बुझा दिया था।

पिपरा गांव के तालाब में डूबने से मासूम भाई-बहन की मौत

सतना| उचेहरा थाना क्षेत्र के पिपरा गांव में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में तालाब में डूबने से मासूम भाई-बहन की मौत हो गई। परसमनिया पठार निवासी अरुण सिंह का बेटा शुभम (7) और बेटी अक्षिता (5) सुबह खेलने निकले थे। काफी देर तक नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। दोपहर करीब 1 बजे गांव के तालाब में दोनों के शव तैरते मिले। सूचना पर चौकी प्रभारी संतोष सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे और शवों को बाहर निकलवाया।

खेत में संदिग्ध मिला नाबालिग का शव, हत्या की आशंका

खरगापुर| देरी चौकी क्षेत्र के भानपुरा गांव में शुक्रवार रात 17 वर्षीय रवि (पुत्र राजू यादव) का शव खेत में संदिग्ध अवस्था में मिला। रवि के गले में तौलिया लिपटा था, जिसका दूसरा हिस्सा पेड़ की शाखा से बंधा था। मृतक के पिता ने जमीनी विवाद के चलते हत्या का आरोप लगाया है। रवि शाम 6 बजे से लापता था। सूचना पर चौकी प्रभारी संजीव सोनी पुलिस बल के साथ पहुंचे। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद भड़के परिजनों ने खरगापुर थाने के सामने शव सड़क पर रखकर नामजद एफआईआर की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। पुलिस पीएम रिपोर्ट के आधार पर जांच कर रही है।

वॉट्सएप पर आई फाइल खोलते ही 60 हजार रुपए गायब हो गए

अशोकनगर| शहर की तायडे कॉलोनी की एक महिला के मोबाइल पर आई अज्ञात फाइल को क्लिक करते ही बैंक खाते से 60 हजार रुपए पार हो गए। कोतवाली पुलिस अनुसार तायडे कॉलोनी निवासी रुचि जैन पत्नी राजीव जैन के वॉट्सएप नंबर पर अज्ञात मोबाइल नंबर से एक फाइल आई थी, जिस पर एड्रेस वेरिफिकेशन लिखा हुआ था। रुचि ने जैसे ही इस एपीके फाइल को सामान्य समझकर ओपन किया, उनके मोबाइल का पूरा कंट्रोल ठगों के हाथ में चला गया। इसके कुछ ही मिनटों बाद उनके मोबाइल पर 60 हजार रुपए कटने का मैसेज आ गया।

सरकूला बांध 6 साल में सिर्फ 20% बना, ठेकेदार के पास 80% काम करने अब मात्र 6 सप्ताह बचे

शिवपुरी| पोहरी विधानसभा क्षेत्र की सरकूला मध्यम सिंचाई परियोजना समय सीमा में पूरी नहीं हो पा रही है। 6 साल में बांध का काम सिर्फ 20% ही हो पाया है। बांध का काम पूरा करने के लिए ठेकेदार के पास महज 6 सप्ताह बचे हैं। काम की धीमी रफ्तार के कारण क्षेत्र के किसानों की 41 हजार बीघा से अधिक जमीन रबी सीजन में भी असिंचित रह जाएगी।

जानकारी के मुताबिक पोहरी की सरकूला मध्यम सिंचाई परियोजना अक्टूबर 2018 में मंजूर हुई। टेंडर प्रक्रिया के जरिए राजकमल बिल्डर्स, इंदौर को 28 अगस्त 2020 को वर्क ऑर्डर जारी हुआ। 27 फरवरी 2025 तक सिंचाई प्रोजेक्ट का काम पूरा कराना था। लेकिन पुन: संरक्षण, फॉरेस्ट एनओसी, पर्यावरण अनुमति के चलते प्रोजेक्ट के काम में देरी हुई। इस कारण 23 अक्टूबर 2020 से बांध का कार्य प्रारंभ हुआ। लेकिन 1 जुलाई की स्थिति में ठेकेदार बांध का 20% ही बना पाया है। जबकि बांध सहित नहर का कार्य 21 अगस्त 2026 तक पूरा करना है। यानी 6 सप्ताह में 80% बांध बनना किसी भी सूरत में मुमकिन नजर नहीं आ रहा है।

ग्वालियर में मप्र की सबसे बड़ी साइबर ठगी... पहले निवेश कराया, रुपए निकालने 10.3 करोड़ और मांगे

ऑनलाइन ट्रेडिंग में मुनाफा दिखाकर 70 वर्षीय सीए से 7 महीने में ₹21 करोड़ ठगे

- पीड़ित चेंबर ऑफ कॉमर्स के मुख्य निर्वाचन अधिकारी

भास्कर न्यूज़ | ग्वालियर

प्रदेश की संभवतः सबसे बड़ी ऑनलाइन ट्रेडिंग साइबर ठगी का मामला ग्वालियर में सामने आया है। चेंबर ऑफ कॉमर्स के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और 70 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट अशोक विजयवर्गीय से साइबर ठगों ने सात महीने में 21.05 करोड़ रुपए निवेश करा लिए। जब विजयवर्गीय ने निवेश और मुनाफे की पूरी राशि निकालनी चाही तो ठगों ने टैक्स, कमीशन और अन्य शुल्क के नाम पर 10.34 करोड़ रुपए और जमा कराने की मांग कर दी। तब ठगी का खुलासा हुआ और राज्य साइबर सेल ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

राज्य साइबर सेल ग्वालियर जोन प्रभारी संजीव नयन शर्मा ने बताया कि रोशनीघर निवासी सीए अशोक विजयवर्गीय का दिसंबर 2025 में वॉट्सएप पर एक महिला से संपर्क हुआ। उसने अपना नाम दिव्या सिंह बताया और ट्रेडिंग में निवेश कर कम समय में ज्यादा मुनाफा का भरोसा दिया। इसके बाद एक वेबसाइट की लिंक भेजकर अकाउंट बनवाया। शुरुआत में विजयवर्गीय ने 25 दिसंबर को 4 बार में 40 हजार रुपए जमा किए। पोर्टल पर लाभ दिखा तो उनका भरोसा बढ़ गया। इसके बाद ठगों ने अलग-अलग बैंक खातों और यूपीआई आईडी पर रकम जमा करानी शुरू कर दी। विजयवर्गीय ने अपने बैंक खातों से आरटीजीएस और ऑनलाइन ट्रांसफर के जरिए लगातार रुपए भेजे। एफआईआर के अनुसार यूनियन बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक के खातों से बड़ी रकम ट्रांसफर की गई। ठगों ने पोर्टल पर निवेश के मुकाबले कई गुना लाभ दिखाया, जिससे वे और रकम लगाते चले गए।

जुलाई 2026 में उन्होंने निवेश और लाभ की रकम निकालने की बात कही तो ठगों ने पहले अतिरिक्त राशि जमा करने को कहा। भरोसा दिलाया कि रकम जमा होते ही करोड़ों रुपए खाते में आ जाएंगे। लगातार नई मांग किए जाने पर विजयवर्गीय ने परिचितों से चर्चा की, तब उन्हें ठगी का अहसास हुआ। पुलिस अब उन बैंक खातों, मोबाइल नंबरों, वॉट्सएप चैट और वेबसाइट की तकनीकी जानकारी जुटा रही है, जिनका इस्तेमाल वारदात में किया गया।

वॉट्सएप पर 'दिव्या' बनकर बनाया भरोसा... फर्जी पोर्टल पर मुनाफा, ₹1.88 लाख विदड्रॉल

अशोक विजयवर्गीय

- दिसंबर 2025 में वॉट्सएप पर 'दिव्या सिंह' बनकर संपर्क किया और ट्रेडिंग में निवेश का प्रस्ताव दिया।
- शुरुआत में छोटी रकम पर फर्जी पोर्टल पर मुनाफा दिखाया और 1.88 लाख रुपए विदड्रॉल भी कराए।
- यूएसडीटी और बिटकॉइन के नाम पर 7 महीने में कई खातों में कुल 21.05 करोड़ ट्रांसफर करा लिए।

साइबर ठगों ने तीन नंबर का किया उपयोग, हर किसी का अलग काम

- **+919181519312 49:** इसी नंबर से ठग ने पहली बार वॉट्सएप कॉल किया और बातचीत शुरू की। ठग एक महिला थी और उसने अपना नाम दिव्या सिंह बताया था।
- **+919170921648 31:** बातचीत होने के बाद जब निवेश और यूएसडीटी ट्रेडिंग की बारी आई तो ठग ने नंबर बदलकर बातचीत शुरू की। इसके लिए उसने इंवेस्टमेंट सलाहकार का नंबर दिया।
- **+1(516)713-7291:** ट्रेडिंग में रकम लगाने के बाद इसमें किस प्रकार ज्यादा मुनाफा कमा सकते हैं इसकी जानकारी देने इस नंबर का उपयोग किया गया। इस पर विदेश से मैसेज और निर्देश आते थे।

पुलिस को चुनौती

जागरूकता अभियान खत्म... तीन दिन बाद ही सामने आई घटना

प्रदेश में लोगों को साइबर ठगी से बचाने के लिए पुलिस ने 28 जून से 8 जुलाई तक प्रदेश स्तरीय साइबर जागरूकता अभियान चलाया। इसमें हर थाना व चौकी स्तर पर स्कूल, व्यापारिक संगठन, संस्थाएं, ग्रामीण संस्थाएं, खेल व सामाजिक संस्थाओं में कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को मोटे मुनाफे के लालच में न आने सहित सभी बिंदुओं पर साइबर ठगी से बचने के लिए गली-गली तक जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान के खत्म होने के तीसरे दिन ही प्रदेश की बड़ी ठगी की एफआईआर दर्ज हुई।

भास्कर इनसाइट • सीए के 40 से ज्यादा परिचित ने भी लगाई ट्रेडिंग में रकम

सीए अशोक विजयवर्गीय से जुड़े व्यापारी ने बताया कि उन्हें ट्रेडिंग में मोटा मुनाफे के लिए एक लिंक परिचित ने बताई थी। उन्हें भी शुरुआत में मोटा मुनाफा हुआ और रकम निकली थी। इसके बाद सीए भी उससे जुड़े और फिर संभवत: दिव्या सिंह नाम की ठग ने उनसे संपर्क किया और अपने जाल में फंसा लिया। पोर्टल पर मोटा मुनाफा देख सीए ने अपने रिश्तेदार व परिचित से चर्चा की तो वह भी उनकी ट्रेडिंग में अपनी रकम लगाते गए। बताया गया है कि ऐसे 40 से अधिक लोगों ने अशोक विजयवर्गीय के साथ रकम लगाई।

मुरैना : सड़क मांगी, मिली जेल

युवक गिरफ्तार, गांव धरने पर; रोड का काम भी बंद

भास्कर न्यूज़ | मुरैना

दिमनी विधानसभा क्षेत्र के जौंहा की गढ़ी में कीचड़ से सनी सड़क के निर्माण की मांग को लेकर अनशन पर बैठे युवक नवनीत तोमर को पुलिस द्वारा रात के अंधेरे में जेल भेजे जाने के बाद गांव में आक्रोश है। पुलिस कार्रवाई के विरोध में शनिवार को सुबह होते ही पूरा गांव सड़क पर उतर आया और धरने पर बैठ गया। नवनीत की पत्नी प्रियंका तोमर ने कहा, मेरा पति कोई अपराधी नहीं है, हम उनकी जमानत नहीं कराएंगे। पुलिस-प्रशासन पहले यह बताए कि उन्हें किस अपराध में जेल भेजा गया है?

इधर, प्रशासन द्वारा सड़क निर्माण शुरू करने के दावों की पोल भी चौथे दिन ही खुल गई। मौके पर न गिट्टी गिरी और न ही ठेकेदार काम करने पहुंचा। सड़क निर्माण की मांग को लेकर जौंहा की गढ़ी गांव में चल रहे आंदोलन में अब कांग्रेस भी उतर आई है। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी जब तक नवनीत को ससम्मान रिहा नहीं किया जाता और मौके पर सड़क निर्माण शुरू नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

जबलपुर : कैनाइन डिस्टेंपर वायरस की आशंका

दुर्गावती टाइगर रिजर्व की बीमार बाघिन वेटरनरी कॉलेज रेफर

जबलपुर| वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व (नौरादेही) से रेस्क्यू की गई करीब डेढ़ साल की बाघिन की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे इलाज के लिए जबलपुर स्थित वेटरनरी कॉलेज के स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ में भर्ती कराया गया है। वन्यजीव चिकित्सकों को आशंका है कि बाघिन जानलेवा कैनाइन डिस्टेंपर वायरस से पीड़ित हो सकती है। बाघिन के पैरों में सूजन है और उसके शरीर के अंदरूनी हिस्सों में भी चोटें हैं। डॉक्टरों ने वायरस की पुष्टि के लिए सैंपल जांच के लिए लैब भेजे हैं।

गौरतलब है कि इस बाघिन ने दो दिन पहले ही वन विभाग के एक कर्मचारी पर जानलेवा हमला किया था। पहले गंभीर रूप से घायल इस बाघिन को बेहतर इलाज के लिए भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क लाने की योजना बनाई गई थी, लेकिन कैनाइन डिस्टेंपर जैसे बेहद संक्रामक और घातक वायरस के खतरे को देखते हुए रास्ते में ही फैसला बदल दिया गया और उसे तुरंत जबलपुर रेफर कर दिया गया ताकि संक्रमण अन्य वन्य जीवों में न फैले।

मक्सी: डकैती की साजिश रच रहे पारदी गिरोह ने पुलिस पर किया हमला

मक्सी| मक्सी पुलिस ने जियो पेट्रोल पंप पर डकैती की साजिश रच रहे पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की। आरोपियों से पूछताछ में 20 जून 2026 को मक्सी में हुई लूट की वारदात का भी खुलासा हुआ। उनकी निशानदेही पर करीब 4.5 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवर और 30 हजार रुपए नगद बरामद किए गए।

डकैती की तैयारी में इस्तेमाल की जा रही किआ सोनेट कार, पावर कटर, एयर प्रेशर कटर, तीन गुलेल, पत्थर और बड़ा स्क्रू ड्राइवर समेत कुल लगभग 16.5 लाख का मशरूका जब्त किया गया। शाजापुर एसपी प्रियंका शुक्ला ने बताया कि शुक्रवार रात मक्सी बायपास स्थित सिरोलिया ब्रिज के पास 5 बदमाश पेट्रोल पंप पर डकैती की योजना बना रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगे। उन्होंने गुलेल से पत्थर बरसाए। पुलिस ने पीछा कर सभी आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मिथुन पारदी (33), बाली पारदी (30), देवराज पवार उर्फ पारदी (22), वनराज पवार उर्फ पारदी (21) और अभिषेक सेलर उर्फ केवट (27) के रूप में हुई।

महाघोटाला • नपा के एआरआई हरीश गोस्वामी व कंप्यूटर ऑपरेटर पर केस

नपा में टैक्स की रसीदें काटीं, सॉफ्टवेयर का डेटा डिलीट किया, 7.78 करोड़ रु. का गबन

भास्कर न्यूज़ | नर्मदापुरम

नगरपालिका में पिछले कई वर्षों से चल रहे करोड़ों रुपए के राजस्व घोटाले में पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2022-23 के बीच ही 7,78,91,654 रुपए से अधिक की राशि गायब मिली है।

विधानसभा में प्रश्न उठने और उच्च स्तरीय जांच रिपोर्ट में पुष्टि होने के बाद, कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार देर रात नगरपालिका के 2 मुख्य कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना और शासकीय राशि के गबन का मुकदमा दर्ज किया। यह कार्रवाई करीब एक साल पहले नपा उपाध्यक्ष अभय वर्मा द्वारा की गई शिकायत और उसके बाद संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, भोपाल की 3 सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर की है। जांच के बाद पुलिस ने राजस्व विभाग के एआरआई हरीश गोस्वामी और कंप्यूटर ऑपरेटर भुवन मेहता को नामजद आरोपी बनाया है। रसीद कटना और बैंक में पैसा न जाना, यह साबित करता है कि नपा के भीतर एक संगठित सिंडिकेट काम कर रहा था।

बिना अनुमति सॉफ्टवेयर बंद

शिकायतकर्ता का आरोप है कि कर्मचारियों ने करदाताओं को टैक्स, किराए और अन्य मदों की फर्जी रसीदें जारी कीं और बाद में सॉफ्टवेयर से डेटा डिलीट या निरस्त कर पूरी राशि (अनुमानित 5 से 6 करोड़) खुद रख ली। घोटाले को छुपाने के लिए बिना सक्षम स्वीकृति के सॉफ्टवेयर बंद कर दिया और जांच समिति में मुख्य आरोपी को ही मुखिया बनाया।

रसीद दी, पैसे जमा नहीं

वार्ड 30 ग्वालटोली निवासी इमरतलाल उर्फ मुन्ना ग्वाला ने भी शिकायत की थी कि उनसे कॉलोनाइजर पंजीकरण शुल्क के रूप में 50,000 हजार रुपए नगद जमा कराए, भुवन मेहता के यूजर आईडी से रसीद जारी हुई, नपा की सील लगी, लेकिन वह पैसा नपा के मुख्य कोष में कभी पहुंचा ही नहीं।

मामले की शिकायत करीब 1 साल पहले पुलिस अधीक्षक को की थी। एसडीओपी की जांच के बाद नपा राजस्व अमले के 2 कर्मचारियों हरीश गोस्वामी और भुवन मेहता पर एफआईआर दर्ज की है। तकनीकी और वित्तीय जांच कर रही है।
- गौरव बुंदेला, टीआई कोतवाली

पुराना प्रकरण है। पुलिस की जांच के आधार पर ही राजस्व अमले के दो कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है।
- वैभव देशमुख, सीएमओ, नपा नर्मदापुरम

हाइवे किनारे महिलाओं के दो गुटों में हुई पत्थरबाजी-मारपीट

भास्कर न्यूज़ | ब्यावरा

दूधी चौराहे पर हाइवे किनारे सरकारी जमीन पर गुमटी बनाने को लेकर कंजर समाज के दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। इस दौरान जमकर लाठियां चलीं और पथराव हुआ, जिससे हाइवे पर वाहनों के पहिए थम गए।

मारपीट में दोनों पक्षों की 8 महिलाएं घायल हुईं, जिनमें से गंभीर रूप से घायल रश्मि, नीलम, श्रीदेवी और उषा को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया गया है। एसडीओपी प्रकाश शर्मा के मुताबिक, पुलिस सूचना मिलते ही 12 मिनट में मौके पर पहुंच गई थी। करनवास थाना पुलिस मामले में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई कर रही है।

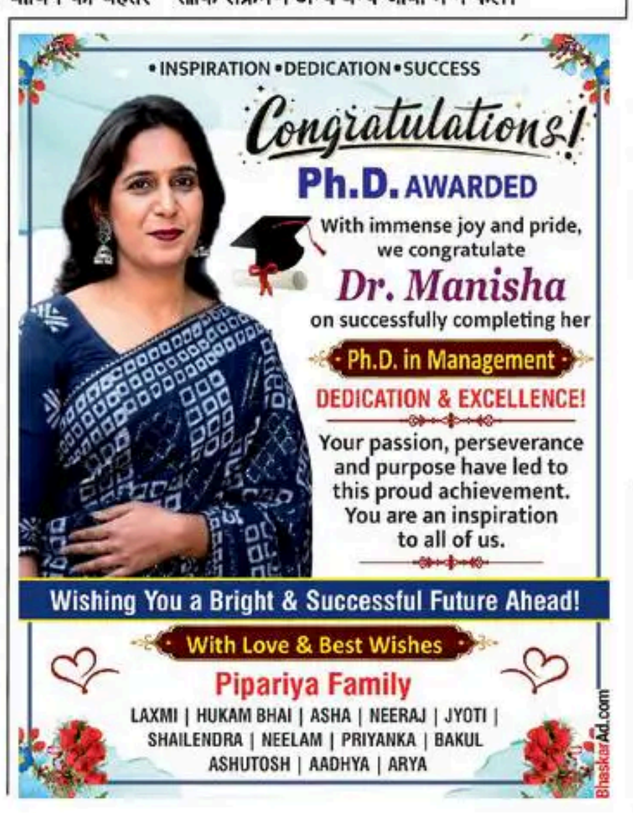

Bank of India
रिश्तों की जमापूंजी
Relationship beyond banking

आस्ति वसूली शाखा, आंचलिक कार्यालय प्लॉट नंबर 9-आरसी, स्कीम नंबर 134, एम. आर-10 इंदौर (म.प्र.) 452010
फोन नम्बर 0731-2445122, 212
Email: arb.indore@bankofindia.bank.in

अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना

ई-नीलामी विक्रय सूचना प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन, हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना

आल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना आम लोगों को और विशेष रुप से उधार लेने वाले/जमानतदारों को यह नोटिस दिया जाता है कि निम्न वर्णित सारणी के कॉलम 3 में उल्लिखित अचल संपत्ति जो **प्रतिभूत लेनदार (बैंक ऑफ इंडिया)** के पास गिरवी / प्रभारित है, जिसका सांकेतिक/भौतिक कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **''जहां है ,जैसा है और जो कुछ भी है''** के आधार पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 2 में उल्लिखित ऋणी एवं जमानतदारों से बैंक ऑफ इंडिया (प्रतिभूत लेनदार) की निम्नलिखित तालिका के कॉलम 4 में उल्लिखित राशि की वसूली हेतु **दिनांक 28.07.2026** को बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य एवं जमा योग्य अग्रिम धनराशि तालिका के कॉलम 6 व 7 में क्रमश: दी गई है।

ई-नीलामी दिनांक 28.07.2026 को प्रात: 11.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक

शाखा का नाम (1)	ऋणी / जमानतदार का नाम (2)	संपत्ती का विवरण व स्वामी का नाम (3)	मांग सूचना 13(2) के तहत मांग नोटिस दिनांक व बकाया राशि (4)	आधिपत्य की दिनांक व प्रकार (5)	आरक्षित राशि (रू.) (6)	ईएमडी (7)
शाखा : एआरबी	**मेसर्स मनीष इंडस्ट्रीज,** **प्रोप:- श्री भगवान गोयल पिता अनंत नारायण गोयल,** **पता1:-** शेड नंबर 09, औद्योगिक क्षेत्र उज्जैन रोड, जिला:- देवास म.प्र. (455001), **पता 2:-** 21 विवेक नगर, राधागंज जिला:- देवास म.प्र. (455001), **श्री भगवान गोयल पिता अनंत नारायण गोयल (प्रोपराईटर)** **पता:-** 21 विवेक नगर, राधागंज जिला:- देवास म.प्र. (455001), **मेसर्स अनंत नारायण पन्नालाल:- प्रोप श्री रोमित गोयल (जमानतदार),** **पता:** प्लॉट नंबर 19, केयूएम प्रांगण नंबर 2, जिला:- देवास म.प्र. (455001) **श्री रोमित गोयल पिता भगवान गोयल (जमानतदार),** **पता:-** 21 विवेक नगर, राधागंज जिला:- देवास म.प्र. (455001)	प्रॉपर्टी 1: लीजहोल्ड प्लॉट नंबर 19, केयूएम प्रांगण नंबर 2 देवास, **संपत्ति मालिक:** फर्म मेसर्स अनंत नारायण पन्नालाल; प्रोपराइटर रोमित भगवानदास गोयल, क्षेत्रफल 54.00 वर्ग मीटर, **प्रॉपर्टी की चतुर्सीमा: पूर्व:** प्राधिकरण की भूमि, **पश्चिम:** रोड, **उत्तर:** प्लॉट नंबर 20, **दक्षिण:** प्लॉट नंबर 18	31.05.2024 **₹ 1,84,04,359.00** + ब्याज एवं अन्य खर्च	22.08.2024 सांकेतिक	₹ 22.95 Lacs	₹ 2.30 Lacs
		प्रॉपर्टी 2: लीजहोल्ड प्लॉट नंबर 20, केयूएम प्रांगण नंबर 2 देवास, **संपत्ति मालिक:** फर्म मेसर्स मनीष इंडस्ट्रीज; प्रोपराईटर भगवानदास अनंत नारायण गोयल, क्षेत्रफल 54.00 वर्ग मीटर, **प्रॉपर्टी की चतुर्सीमा: पूर्व:** प्राधिकरण की भूमि, **पश्चिम:** रोड, **उत्तर:** प्राधिकरण की भूमि, **दक्षिण:** प्लॉट नंबर 19			₹ 22.95 Lacs	₹ 2.30 Lacs

क्रेता के द्वारा स्टाम्प शुल्क, बिक्री प्रमाण पत्र शुल्क, पंजीकरण शुल्क, टी.डी.एस. सरकार को देय सभी वैधानिक बकाया, कर और दरों और संपत्तियों से संबंधित कोई अन्य खर्च, मौजूदा और भविष्य, दोनों के लिए देय होगा। बिक्री प्रमाण पत्र केवल सफल बोलीदाता के नाम से ही जारी किया जाएगा।

ई-नीलामी सेवा प्रदाता की वेबसाईट **https://baanknet.com** बोलीकर्ता **https://baanknet.com**, नियम व शर्तों की अधिक जानकारी हेतु शैक्षणिक वीडियो के साथ देख सकते है। बोलीकर्ता को पूर्व में ही बोली पंजीयन की सभी औपचारिकताएं पूर्ण करना अनिवार्य है। नीलामी से संबंधित सभी जानकारी ई-नीलामी दिनांक से पहले ही प्राप्त कर लेने की सभी जवाबदारी बोलीकर्ता की रहेगी।

ए. सफल बोलीकर्ता को घोषणा के तुरंत बाद बिक्री मूल्य का 25% (पहले से भुगतान की गई ईएमडी घटाकर) जमा करना होगा।
बी. नीलामी- बिक्री की कार्यवाही में बैंकिंग लेनदेन का समय समाप्त होने के पश्चात, खरीद मूल्य का 25% (पहले से भुगतान की गई ईएमडी घटाकर) अगले कार्य दिवस तक जमा कराना होगा।
सी. बिक्री मूल्य की शेष राशि का भुगतान बिक्री की दिनांक से 15 वें (पंद्रहवें) दिन के भीतर जमा किया जाना होगा।
डी. उपर उल्लिखित अवधि के भीतर भुगतान न करने पर, जमा और बयाना राशि जब्त कर ली जाएगी और संपत्ति को फिर से बेच दिया जाएगा।
इ. सफल बोलीकर्ता की यह जिम्मेदारी होगी की आयकर अधिनियम की धारा **194-IA** के तहत लागू 1% की दर से टीडीएस जमा करना होगा, यदि इस तरह के प्रतिफल के लिए जमा या भुगतान की गई राशि का योग रु. 50 लाख या अधिक है। टीडीएस को फार्म **26QB** आनलाईन भरकर जमा कराना होगा और टीडीएस सर्टिफिकेट फार्म **16B** में जारी करना होगा। खरीदार को सरकारी खाते मे आयकर जमा करने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
एफ. बोली केवल ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत की जाएगी।
जी. प्राधिकृत अधिकारी का उक्त ई-नीलामी को बिना किसी कारण बताए रद्द करने का सर्वाधिकार सुरक्षित रहेगा।
एच. आरक्षित मूल्य से कम से कम एक वृद्धि राशि जोड़ने पर ही बोली स्वीकार होगी।

दिनांक : 10.07.2026, स्थान: इन्दौर

प्राधिकृत अधिकारी: बैंक ऑफ इंडिया